भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 907

06 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

जीएचटीसी-इंडिया

907. श्री श्रीधर कोटागिरीः
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखरः
श्री एन॰ रेड्डप्पः
श्री एम॰वी॰वी॰ सत्यनारायणः
श्री पोचा ब्रह्मानंद रेड्डीः
श्री अदला प्रभाकर रेड्डीः
श्री बालाशौरी वल्लभनेनीः

क्या **आवासन और शहरी कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने नई उभरती, आपदा-सह, पर्यावरण-हितैषी, लागत-प्रभावी और शीघ्र कार्य पूरा करने वाली निर्माण प्रौद्योगिकियों की खोज करने के लिए ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज-इंडिया (जीएचटीसी-इंडिया) अभियान शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार उक्त मानदंडों को पूरा करने वाली आवासीय इकाइयों का निर्माण करने के लिए निजी क्षेत्र को किसी प्रकार बढ़ावा दे रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) : जी, हां। भारत सरकार ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के माध्यम से देश में विश्वव्यापी चुनौती के जरिए किफायती आवास के लिए निर्माण क्षेत्र में आमूल परिवर्तन लाने हेतु ग्लोबल हाउसिंग टेक्नोलॉजी चैलेंज-इंडिया (जीएचटीसी-इंडिया) की शुरुआत की है। इस चुनौती का उद्देश्य आवासीय निर्माण क्षेत्र के लिए वैश्विक स्तर की ऐसी अनेक नवीनतम निर्माण प्रौद्योगिकियों की पहचान करना एवं उन्हें मुख्यधारा में लाना है जो सुस्थिर, पर्यावरण-अनुकूल, लागत प्रभावी, तीव्रतर एवं आपदा प्रतिरोध क्षमता पूर्ण हैं।

(ख) : जीएचटीसी - इंडिया में भारत में किफायती आवास हेतु सर्वोत्तम एवं लागत प्रभावी प्रौद्योगिकी के चयन की परिकल्पना की गई है ताकि पहचान की गई प्रौद्योगिकियों का सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र दोनों के द्वारा प्रयोग किया जा सके। जीएचटीसी - इंडिया के भाग के रूप में छः लाइटहाउस परियोजनाएं जीएचटीसी - इंडिया के जरिए पहचान की गई 54 नवीन निर्माण प्रौद्योगिकियों में से छः विभिन्न आवास निर्माण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके देश के छः स्थानों अर्थात् इंदौर (मध्य प्रदेश), राजकोट (गुजरात), चेन्नै (तमिलनाडु), रांची (झारखण्ड), अगरतला (त्रिपुरा) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में से प्रत्येक स्थान पर लगभग 1000 आवासों के निर्माण के लिए खुली बोली प्रक्रिया के माध्यम से शुरु की गई है। ये लाइटहाउस परियोजनाएं निजी क्षेत्र सहित सभी हितधारकों के लिए क्षेत्र तथा अनुभव केंद्र को प्रौद्योगिकी के स्थानांतरण के विभिन्न पहलुओं हेतु जीवंत प्रयोगशालाओं का कार्य करते हैं।

*****